(8) दोनों रागों में निम्नलिखित स्वर समुदाय का प्रयोग किया जाता है जैसे— "ग म रे सा", "नि ध नि सां", नि ध म प, आदि।

विभिन्नता:

बहार	मियाँ मल्हार
(1) राग बहार चंचल प्रकृति का राग है	जबकि मियाँ मल्हार राग गम्भीर प्रकृति का राग है,
(2) राग बहार ज्यादातर मध्य तथा तार सप्तक में गाया बजाया जाता है।	मियाँ मल्हार राग का गायन तीनों सप्तक में गाया जाता है, मन्द्र सप्तक के स्वरों से राग मियाँ मल्हार की पहचान और मधुरता बढ़ती है,
(3) बहार का आरोह षाड़व जाति का	जबकि मियाँमल्हार राग की जाति वक्र सम्पूर्ण
(4) दोनों रागों में कोमल गांधार प्रयोग होता है लेकिन प्रयोग करने के तरीका अलग अलग है। इसमें कोमल गांधार आन्दोलित नहीं होता।	मियाँमल्हार में गांधार कोमल तथा मध्यम स्वर को स्पर्श करते हुए आन्दोलित होता है।
(5) नि ध नि सां स्वर समूह को बहार ठहराव के साथ प्रयोग होता है	राग मियाँमल्हार में ठहराव नहीं होता बल्कि